आओ, साम्यवादी मई दिन के लिए लामबंद हों !

अंतर्राष्ट्रीय कम्युनिस्ट वर्कर्स पार्टी (ICWP)इस साल एक कम्युनिस्ट मई दिवस के लिए लोगों को लामबंद करने के लिए दुनिया भर के श्रमिकों का आह्वान करती है। साम्यवादी समाज का आधारभूत सिद्धांत क्षमता के अनुसार सबको काम और आवश्यकता के अनुसार सबकी जरूरतों को पूरा करना है | पैसा, मजदूरी या किसी भी तरह के विशेषाधिकार के बिना। नस्लवाद,लिंगभेद और बिना किसी भेदभाव के। एक ऐसा समाज जिसमें हम अपनी सामूहिक भलाई के लिए काम करते हैं। साम्यवादी समाज में, हर कोई चाहें वह जवान हो या बूढा, सबको रचनात्मक और सार्थक काम मिलेगा क्योंकि मुनाफाखोरी से मुक्त समाज किसी को बेकारी के लिए प्रोत्साहित नहीं करेगा | यहाँ पर 'मानसिक' और 'शारीरिक' श्रम में कोई विभाजन नहीं होगा |

उज्जवल भविष्य के लिए इस संघर्ष में हम आपका साथ चाहते हैं|

मई दिन को "अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस" के रूप में मनाने का निर्णय सन 1889 में शिकागो (अमरीका) में 1886 में प्रतिदिन आठ घंटे काम की मांग के लेकर की गयी ऐतिहासिक आम हड़ताल की यादगार में लिया गया |1917 की रूसी क्रांति के बाद, नए अंतर्राष्ट्रीय साम्यवादी आन्दोलन के लिए मई दिन एक पर्व बन गया | आजकल ज्यादातर मई दिन जुलूस राष्ट्रवाद और संशोधनवाद की बात करते है ना की सच्चे साम्यवाद की | ICWP इसे बदलना चाहती है | आप इसमे मदद कर सकते हैं: आप जहाँ भी रहते हैं वहाँ लोगों के बीच इस पत्रिका को बांटकर, ICWP के सदस्यों के साथ जुलूश में भाग लेकर, और ICWP के सदस्य बनकर | ICWP से जुड़ने का मतलब चर्चा के लिए एक सामूहिक मंच का निर्माण और 'रेड फ्लैग' को ज्यादा से ज्यादा लोगों के बीच पहुँचाना है | इसका मतलब हर वर्ग संघर्ष में लोगों को साम्यवाद के लिए लामबंद करना और अपनी क्षमता के अनुसार आर्थिक सहयोग देना है |लेनिन ने कहा था कि पूंजीवाद एक अंतहीन आतंक है और आज का हर दिन उनकी इस बात को सही साबित करता है | सीरिया, नाइजीरिया, यमन और अन्य जगहों में युद्धों में विश्व शक्तियों के बीच खुली झडपें शामिल हैं। वे प्रमुख औद्योगिक देशों के बीच एक सीधा सैन्य संघर्ष की धमकी देतें हैं यानि तीसरा विश्व युद्ध | यह आतंक यहीं ख़त्म नहीं होता | 800 मिलियन से अधिक लोग भूखे हैं और 1.6 अरब लोगों के पास पर्याप्त आवास की कमी है।नौ में से एक इंसान के पास पीने का स्वच्छ पानी नहीं है और आवश्यकता से अधिक उत्पादन की समस्या से ग्रसित उद्धोगों के बीच २०० मिलियन से अधिक लोग बेरोजगार हैं |जहाँ एक तरफ इंडिया में फासीवादी सत्ता हैं, दक्षिण अफ्रीका में विद्वेष, और अमेरिका में नस्लवादी पुलिस हिंसा बढ़ रही है | इन सबका खात्मा पूंजीवाद के खात्मे से ही हो सकता है | रूस और चीन की क्रांतियों में यह कोशिश की गयी मगर असफल हुई क्योंकि यह समाजवाद के लिए लड़ रहे थे जोकि सत्तात्मक पूंजीवाद है |

इस कड़वे अनुभव से, हमने सीखा है कि हमें साम्यवाद से कुछ भी कम के लिए नहीं लड़ना है।

साम्यवाद में हम सिर्फ बचे हुए पूंजीपतियों के खिलाफ युद्ध लड़ेंगे | एक बार उनको हराने के बाद सशस्त्र संघर्ष का अंत हो जाएगा | साम्यवाद में ना तो कोई देश होगा, ना सीमाएँ और ना ही कोई नागरिकता | इस समाज में कोई भी अवैध नहीं होगा | जो लोग पूंजीवाद से भागकर हमारे साथ आना चाहेंगे हम उन्हें अपने साथियों के तरह उनको साथ लेंगे | साम्यवाद में, सब कुछ, सिर्फ काम नहीं, पुनर्गठित किया जाएगा। पूरा समाज हर किसी की जरूरतों को पूरा करने की सामूहिक जिम्मेदारी लेगा ना कि यह किसी परिवार विशेष की जिम्मेदारी होगी | हम निजी वाहनों के रखरखाव और चलाने में घंटों खर्च करने के बजाय सुरक्षित आरामदायक सार्वजानिक परिवहन का उपयोग करेंगे | हमारे सारे जीवन काल के दौरान प्रशिक्षण और उत्पादक श्रम का एकीकरण किया जायेगा | हम पूंजीवादी विचारधारा और इसकी शिक्षा व्यवस्था जैसे परीक्षा, डिग्री, आयु के आधार पर बने आजकल के शिक्षण संस्थान खत्म कर देंगें |ICWP सबके लिए सर्वश्रेष्ठ स्वास्थ्य, घर और सफाई की व्यवस्था करने के लिए जनता को लामबंद करेगी | इन सभी सामाजिक गतिविधियों में जाति, लिंग, धर्म, जाति या नस्ल के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा। साम्यवादी क्रांति पूंजीवादी व्यवस्था की मजदूर प्रणाली का खात्मा करके नस्लवाद, लिंगभेद, और जाति व्यवस्था को एक जोरदार झटका देगी | ये अभिशाप रातों रात गायब नहीं होगें , लेकिन मानवीय जरूरतों को पूरा करने के लिए एकजुट सहयोग और एक दूसरे के साथ से हम इन अभिशापों खत्म कर पायेंगे |

क्या ये सब सपने के तरह नहीं लगता ? मगर यह सच हो सकता है | मगर हम कैसे इसे सच कर सकते है ? इसका एक मात्र रास्ता है – क्रांति | यह कठिन लड़ाई है मगर हमसे पहले भी जनता ने क्रांतियाँ की हैं | इतिहास में साम्यवादी औद्योगिक श्रमिकों और सैनिकों के नेतृत्व में क्रांतियाँ हुईं हैं | इस संघर्ष में जीत के लिए इकवप में लाखों साम्यवादी साथियों की जरूरत है |अगर आप इस पत्रिका और ICWP के घोषणापत्र "साम्यवाद के लिए जनता को लामबंद करें " से सहमत हैं तो ICWP से जुडें और क्रांति की और अग्रसर हों | दोस्तों, परिवार, और साथियों को ICWP से जोडें | ICWP की पत्रिका 'रेड फ्लैग' को पढ़ें और पढाएं, पत्रिका के लिए लेख लिखें और आर्थिक सहयोग दें |

मई दिन जिंदाबाद !
ICWP जिन्दावाद !
साम्यवाद जिन्दावाद !
icwpredflag.org
Facebook: Red Flag, Newspaper of ICWP (4/9/2016)